

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/127-86/48601.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० नेशनल कौंसिल फार सिमेन्ट एण्ड विल्डिंग मैटेरियल मथुरा रोड, बल्लभगढ़ के श्रमिक श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री गंगा शरण मार्फत श्री दर्शन सिंह, महा सचिव एटक फरीदाबाद, इण्डस्ट्रीयल वर्करज यूनियन, मार्किट नं० 1 एन० आई० टी० फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री रणवीर सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/127-86/48609.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० नेशनल कौंसिल फार सिमेन्ट एण्ड विल्डिंग मैटेरियल मथुरा रोड, बल्लभगढ़ के श्रमिक श्री गजराज, पुत्र श्री सोनी मार्फत श्री दर्शन सिंह महासचिव एटक फरीदाबाद इण्डस्ट्रीयल वर्करज यूनियन मार्किट नं० 1 एन० आई० टी० फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री गजराज की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/127-86/48617.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० नेशनल कौंसिल फार सिमेन्ट एण्ड विल्डिंग मैटेरियल मथुरा रोड बल्लभगढ़ के श्रमिक श्री जयचन्द, पुत्र श्री मदन सिंह, मार्फत श्री दर्शन सिंह महासचिव, एटक फरीदाबाद इण्डस्ट्रीयल वर्करज यूनियन मार्किट नं० 1 एन० आई० टी०, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री जयचन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/127-86/48625.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० नेशनल कौंसिल फार सिमेन्ट एण्ड विल्डिंग मैटेरियल मथुरा रोड, बल्लभगढ़ के श्रमिक श्री लखमी पुत्र श्री टेकचन्द मार्फत श्री दर्शन सिंह महासचिव, एटक फरीदाबाद इण्डस्ट्रीयल वर्करज यूनियन मार्किट नं० 1 एन० आई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है, अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री लखमी की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?